बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



मेरे लिए परमेश्वर की विशेष प्रतिज्ञाएँ

परमेश्वर एक नए काम में यहोशू के साथ रहता है।



यहोशू को नया काम मिला

मूसा की मृत्यु के बाद यहोशू इस्राएल के लोगों का अगुवा बना। यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी और निश्चय ही उसे दुख और चिन्ता हुई होगी।



परमेश्वर ने यहोशू से बात की

परमेश्वर ने कहा, ‘मेरा सेवक मूसा मर गया है। अब उठ, इस सारी प्रजा के साथ यरदन नदी पार कर और उस देश में जा जिसे मैं उन्हें देने वाला हूँ।’



तैयार किया हुआ देश

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि जहाँ-जहाँ उनके पाँव पड़ेंगे वह भूमि उन्हें देगा: जंगल से लेकर लबानोन तक और महान फरात नदी से भूमध्य समुद्र तक।



कोई तुझे रोक न सकेगा

परमेश्वर ने भरोसा दिलाया कि जब तक वह अपना काम पूरा करता रहेगा, कोई शत्रु उसे पराजित नहीं कर सकेगा। यहोशू को केवल अपनी शक्ति पर निर्भर होकर आगे नहीं बढ़ना था।



जैसे मैं मूसा के साथ था

परमेश्वर ने याद दिलाया, 'जैसे मैं मूसा के साथ था, वैसे ही तेरे साथ भी रहूँगा।' यहोशू ने कई बार देखा था कि परमेश्वर ने अपने लोगों का मार्गदर्शन कैसे किया।



मैं तुझे कभी न छोड़ूँगा

परमेश्वर ने एक बहुत विशेष प्रतिज्ञा और दी: ‘मैं न तुझे छोड़ूँगा और न त्यागूँगा।’ यहोशू भरोसा कर सकता था कि वह कभी अकेला नहीं होगा।



मजबूत और साहसी बन

परमेश्वर ने उससे कहा कि वह मजबूत और साहसी बने, क्योंकि वही लोगों को उस देश का अधिकार दिलाएगा जिसकी प्रतिज्ञा उनके पूर्वजों से की गई थी।



मेरी शिक्षाओं को मान

उसे उन शिक्षाओं को भी सावधानी से मानना था जो मूसा ने दी थीं। सच्चा साहस परमेश्वर के सामने सही काम करना भी है।



मार्ग से मत हट

परमेश्वर ने कहा कि न दाहिनी ओर मुड़ना और न बायीं ओर। यदि वह आज्ञाकारिता के मार्ग पर बना रहेगा तो बुद्धिमानी से कार्य कर सकेगा।



परमेश्वर के वचन पर मनन कर

यहोशू को परमेश्वर की शिक्षाओं की बातें करनी और दिन-रात उन पर मनन करना था। इससे उसे याद रहेगा कि कैसे जीना और कौन-से निर्णय लेना है।



आज्ञाकारिता अच्छे परिणाम लाती है

परमेश्वर ने समझाया कि उसके वचनों को मानकर और उनका पालन करके यहोशू अपने दिए हुए काम को अच्छी तरह पूरा कर सकेगा।



परमेश्वर तेरे साथ जाएगा

अन्त में परमेश्वर ने फिर कहा, ‘मजबूत और साहसी हो। न डर और न निराश हो, क्योंकि जहाँ कहीं तू जाएगा वहाँ तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे साथ रहेगा।’



परमेश्वर की प्रतिज्ञाएँ हमें साहस देती हैं

यहोशू ने सीखा कि वह आगे बढ़ सकता है क्योंकि परमेश्वर उसके साथ है। हम भी परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा कर सकते हैं, उसके वचन को मान सकते हैं और हर दिन साहस से आगे बढ़ सकते हैं।